

M.A. (Previous) Examination, 2022

हिन्दी साहित्य

**Paper-I
(Compulsory Paper)**

हिन्दी साहित्य का इतिहास

Time Allowed : 3 Hours

Maximum Marks : 100/80

For Non collegiate : 100

For Regular : 80

Note : (1) No supplementary answer-book will be given to any candidate. Hence the candidates should write the answer precisely in the main answer-book only.

किसी भी परीक्षार्थी को पूरा उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जायेगी । अतः परीक्षार्थियों को चाहिये कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें ।

(2) All the parts of one question should be answered at one place in the answer-book. One complete question should not be answered at different places in the answer-book.

किसी भी एक प्रश्न के अंतर्गत पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर, उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर हल करें ।



1. आदिकालीन हिन्दी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर सोदाहरण प्रकाश डालिये। 20/16

अथवा

“हिन्दी साहित्य का आदिकाल सर्वाधिक विवादास्पद काल है।” इस कथन को स्पष्ट करते हुए, आदिकाल की समस्याओं पर विचार कीजिए।

2. “हिन्दी का भक्ति आन्दोलन लोक जागरण की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति है।” इस कथन के जीवन्य को स्पष्ट कीजिए। 20/16

अथवा

राम काव्यधारा की सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिये।

3. निर्गुण काव्यधारा की सामान्य प्रवृत्तियों का उल्लेख करते हुए, प्रमुख कवियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 20/16

अथवा

रीतिकालीन काव्य की नामकरण विषयक समस्या पर प्रकाश डालते हुए, रीतिकालीन काव्यधाराओं का परिचय दीजिये।

4. पुनरुत्थानवाद और पुनर्जागरण का अन्तर स्पष्ट करते हुए, हिन्दी पुनर्जागरण की प्रमुख विशेषताओं का विवेचन कीजिए। 20/16

अथवा

समकालीन हिन्दी कविता की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए, प्रमुख प्रवृत्तियों का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए :

10+10=20/8+8=16

- (i) हिन्दी उपन्यास उद्भव एवं विकास
- (ii) हिन्दी आलोचना में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का योगदान
- (iii) हिन्दी कहानी आन्दोलन
- (iv) हिन्दी गद्य विकास की परम्परा
- (v) जयशंकर प्रसाद एवं हिन्दी नाटक

<https://www.pdsuonline.com>

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से